B
A
O
U

ડૉ. બાબાસાહેબ આંબેડકર ઓપન યુનિવર્સિટી

(ગુજરાત સરકાર દ્વારા સ્થાપિત)

"જ્યોતિર્મય" પરિસર,

શ્રી બાલાજી મંદિરની સામે, સરખેજ-ગાંધીનગર હાઈવે,

છારોડી, અમદાવાદ-૩૮૨ ૪૮૧

E-maiM: feedback@baou.edu.in Website : www.baou.edu.in

સત્રીયકાર્ય ફેબ્રુઆરી-૨૦૧૭

अनुस्नातक अभ्यासक्रम (हिन्दी)

પાઠયક્રમ શીર્ષક

MHD

एम. ए. हिन्दी द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम

MHD-01: ***हिन्दी काव्य-१ (आदिकाव्य, भक्ति काव्य, एवं रीति काव्य)***

MHD-05: ***साहित्य सिद्धांत और समालोचना***

MHD-07: ***भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा***

MHD-13: ***उपन्यास : स्वरूप और विकास***

MHD-14: ***हिन्दी उपन्यास-१ (प्रेमचंद का विशेष अध्ययन)***

MHD-15: ***हिन्दी उपन्यास-२***

MHD-16 : ***भारतीय उपन्यास***

અગત્યની સૂચનાઓ

- વિદ્યાર્થીઓએ પોતાના પાઠયક્રમોના સ્વાધ્યાયકાર્યો અભ્યાસકેન્દ્ર/યુનિવર્સિટીની વેબ-સાઈટ પરથી મેળવવાના રહેશે.
- સત્રાંત પરીક્ષા આપવા માટે સ્વાધ્યાય કાર્ય રજુ કરવા ફરજીયાત છે. સ્વાધ્યાય કાર્ય જમા કરાવેલ નહીં હોય, તો પરીક્ષા ફોર્મ સ્વીકારવામાં આવશે નહીં.
- તૈયાર કરેલ સ્વાધ્યાયકાર્યો અભ્યાસકેન્દ્ર પર જમા કરાવવાની છેલ્લી તારીખ ૩૦/૦૭/૨૦૧૭ છે. આ તારીખ પછી વિદ્યાર્થીઓ દ્વારા મોકલાવેલ સ્વાધ્યાયકાર્યો સ્વીકારવામાં આવશે નહી.
- જમા કરાવેલ સ્વાધ્યાયકાર્યોની પહોંચ અભ્યાસકેન્દ્ર પરથી લેવી ફરજીયાત છે.
- વિદ્યાર્થીઓએ નિયત સમય મર્યાદામાં સ્વાધ્યાયકાર્યો અભ્યાસકેન્દ્ર પર જમા કરાવવા તેમજ મૂલ્યાંકન થયા બાદ મૂલ્યાંકન પત્રક સાથેના સ્વાધ્યાયકાર્યો અભ્યાસ કેન્દ્ર પરથી અવશ્ય પરત લેવા.
- વિદ્યાર્થી પોતાના સ્વાધ્યાયકાર્યોના ગુણ યુનિવર્સિટીની વેબ-સાઈટ પર જોઈ શકશે.
- માસ્ટર ડિગ્રી અભ્યાસક્રમમાં પાસ થવા માટે 40 માર્કસ જરૂરી છે.

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

प्रिय विरूार्थी मित्रो

यह एम.ए. हिन्दी प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों का सत्रीयकार्य है । आपको सभी पाठ्यक्रमों के लिए एक-एक सत्रीय कार्य तैयार करना है । प्रत्येक़ सत्रीयकार्य पाठ्यक्रमों के सभी खण्डों कें आधार पर तैयार किए गए हैं । कविता कहानी उपन्यास नाटक में से कुछ गंरूाश/परूांश की संदर्भ सहित व्याख्याएँ लिखनी होगी । कुछ प्रश्न आलोचनात्मक निबंधात्मक हैं जिनके उत्तर विस्तार से लिखने होंगे तो कुछ टिप्पणी पर प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । अन्तिम प्रश्न बहु विकल्प आधारित प्रश्न के लिए रिक्त स्थनो की पूर्ति या सही जोड़े बनाइए अवश्य होगा । इन सभी पूछे गए प्रश्नों का ढांचा परीक्षा में पूछे गये प्रश्नों जैसा ही होता है । इसलिए इस कार्य को करने से पहले अपनी सम्पूर्ण पाठ्यसामग्री को अच्छी तरह से पढें समझें और फिर अपने शब्दों में उत्तर तैयार करें ।

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मुक्त विश्व विरूालय में अगस्त वर्ष २००७ तक प्रवेश लेनेवाले विरूार्थी को एम.ए प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के अभ्यासक्रम/पाठ्यक्रम में चार क्रेडिट के पाठ्यक्रम में दो सत्रीयकार्य और आठ क्रेडिट में तीन सत्रीयकार्य करने होते थे । लेकिंन वर्ष २००८ से ऐकेडमिक प्लानिंग बोर्ड (A.P.B.) *की मंजूरी से पाठयक्रम दीठ एक-एक स्वाध्याय तैयार करने की पद्धति शुरू हुई है । प्रत्येक स्वाध्याय कार्य में पास होंना अनिवार्य है । उतीर्ण होंने के लिए प्रत्येक सत्रीयकार्य में ४० अंक लाना जरूरी है। सत्रीयकार्य का मुख्य उद्देश्य है सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करना । आपसे सत्रांत परीक्षा में जो प्रश्न पूछे जाऐगें उनका ढाँचा सत्रीयकार्य में पूछे गये प्रश्नो जैसा ही होगा । इसलिये सत्रीयकार्य तैयार करने के कार्य को गंभीरता से लें , तथा स्पष्ट एंव शुद्ध भाषा में उत्तर तैयार करें ।*

सत्रीय कार्य पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर निम्न लिखित सूचनाऐं लिखना परम आवश्यक है तथा जमा करने की अंतिम तारीख में अपने स्वाध्यायकार्य अभ्यासकेन्द्र पर अवश्य जमा करे ।

अनुक्रमांक .....
नाम .....
पता .....
मोबाइल नं. .....
दिनांक .....

पाठ्क्रम शीर्षक .....
सत्रीय कार्य कोड .....
अभ्यास केन्द्र का नाम तथा कोड .....

शुभकामनाओं के साथ

डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी

पाठ्यक्रम कोड:- :- MHD-01:- हिन्दी काव्य-१

(आदिकाव्य, भक्ति काव्य, एवं रीति काव्य)

सत्रीयकार्य कोड:- MHD-01/AST-01/TMA/2017

(सभी खण्डों के आधार पर)

अभ्यासकेन्द्र पर जमा करने की अंतिम तिथि :-30/07/2017 (कुल अंक:-100)

विभाग-क निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं तीन की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए ।

(10x3= 30)

(क) ''तू दयालु दीन हौं, तू दानि हौं भिखारी
हौं प्रसिद्ध पातकी, तू पापपुंज हारी ॥
नाथ तू अनाथ कौ, अनाथ कौन मोसो ।
मो समान आरत नहिं, आरतिहर तोसो ॥''

(ख) ''दीपक दीया तेल भरि, बाती दऊ अघहट ।
पूरा किया बिसाहुणां, बहुरि न आवौं हटट ।
कबीर गुरू गरवा मिल्या, रलि गया आटे लूण ।
जाति-पाति - कुल सब मिटै, नाव धरौगे कौण ।''

(ग) ''कूलन में केलि में कछारन में कुंजन में,
क्यारिन में कलित कलीन किलकंत है
कहै पदमाकर परागन में पौनहू में,
पातन में पिक में पलासन पगंत है ॥''

(घ) ''माई सांवरे रंग राची । टेक ॥
साज सिंगार बाँध पग घूंघरू लोकलाज तज नाची ।
गयाँ कुमत लयाँ साधाँ सँगत श्याम प्रीत जग साँची ।
गायाँ गायाँ हरिगुण निसदिन काल व्याल री वाँची ।
श्याम बिना जग खारा लागाँ, जगरी बाताँ काची ।
मीराँ सिरि गिरघर नटनागर भगति रसीली जाँची ।''

विभाग-ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग १००० शब्दों में दीजिए । (15 x 2 = 30)

(अ) विद्यापति के काव्य की विशेषताएँ बताइए ।

अथवा

'पदमावत' के 'नागमती' वियोगखंड के कथ्य और मर्म का विवेचन कीजिए ।

(ब) कबीर के दर्शन के विविध पक्षों की चर्चा कीजिए ।

अथवा

मीरा की कविता में अभिव्यक्त प्रेम-विह्वलता का चित्रण कीजिए ।

विभाग (ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (किन्हीं चार के) संक्षेप में दीजिए ।

(5 x 4 = 20)

१) सूर की भाषा ।

२) तुलसी का युगबोध ।

३) बिहारी के दोहे ।

४) पदमाकर का काव्य-शिल्प ।

५) 'पृथ्वीराजरासो' में वर्णित श्रृंगार ।

विभाग (घ) निम्नलिखित वाक्यों के लिए सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । (अ)

(5 x 2 = 10)

१ बिहारी ---------- के सर्वाधिक लोकप्रिय कवि हैं ।

(भक्ति काल, रीतिकाल, वीरगाथा काल)

२ ---------- आदिकाल का विख्यात महाकाव्य है ।

(वीसलदेवरासो, पृथ्वीराजरासो, खुमाण रासो)

३ सूर के काव्य में --------- का विशद चित्रण किया गया है ।

(हास्य, वात्सल्य, विस्मय)

४ तुलसी की सुप्रसिद्ध रचना ---------- है ।

(विनयपत्रिका, कवितावली, रामचरितमानस)

५ कबीर ---------- विचारधारा के कवि हैं ।

(सगुण, निर्गुण, प्रेमाश्रयी)

(ब) निम्नलिखित रचनाओं एवं उनके रचयिताओं के नाम के सही जोडे बनाईए ।

(5 x 2 = 10)

रचना रचनाकार

१) पद्मावत - सूरदास

२) बिहारीसतसई - जायसी

३) सूरसागर - तुलसीदास

४) विनयपत्रिका - तुलसीदास

५) कवितावली - बिहारी

डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी

पाठ्यक्रम कोड:- :- MHD-05 :- साहित्य सिद्धांत और समालोचना

सत्रीयकार्य कोड:- MHD-05/AST-01/TMA/2017

(सभी खण्डों के आधार पर)

अभ्यासकेन्द्र पर जमा करने की अंतिम तिथि :- 30/07/2017 (कुल अंक:-100)

विभाग-(क) निम्नलिखित शब्दों के उत्तर लगभग १५०० शब्दों में दीजिए । (20x2=40)

१) काव्य-प्रयोजन संबंधी भारतीय और पश्चिमी विचारों की चर्चा कीजिए ।

अथवा

ध्वनि-सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाओं पर विचार कीजिए ।

र) आई.ए.रिचर्ड्स के भाषा-सिद्धांत और मूल्य सिद्धांत पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

साधारणीकरण का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए उसके महत्व की चर्चा कीजिए ।

विभाग-(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग १००० शब्दों में दीजिए । (15 x 2 = 30)

१) उदात्त के विषय में लौंजाइनस के प्रमुख विचारों का प्रतिपादन कीजिए ।

अथवा

एलियट की परम्परा और प्रज्ञा संबंधी अवधारणा पर प्रकाश डालिए ।

र) भारतीय काव्य शास्त्र के प्रमुख सम्प्रदायों का परिचय डालिए ।

अथवा

मनोविश्लेषणवादी आलोचना की मूल स्थापनाओं पर विचार कीजिए ।

विभाग-(ग) निम्नलिखित में से किन्ही दो पर टिप्पणियाँ लिखिए । **(5 x 2 = 10)**

१) *शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना ।*

२) *काव्य में अलंकारों की उपयोगिता ।*

३) *शब्द शक्तियाँ ।*

४) *स्वच्छन्दतावाद ।*

विभाग (घ) विविध वादों, सम्प्रदायों तथा उनके संस्थापकों के नाम दिए गये हैं, सही जोड़े बनाइए ।

(10 x 2 = 20)

	सम्प्रदाय		***संस्थापक***
१)	*अभिव्यंजनावाद*	-	*ज्याँ पाल सार्त्र*
२)	*रस सम्प्रदाय*	-	*वामन*
३)	*अलंकार सम्प्रदाय*	-	*क्रोचे*
४)	*रीति सम्प्रदाय*	-	*भरतमुनि*
५)	*ध्वनि सम्प्रदाय*	-	*भामह*
६)	*वक्रोक्ति सम्प्रदाय*	-	*आनंदवर्धन*
७)	*औचित्य सम्प्रदाय*	-	*कुंतक*
८)	*मनोविश्लेषणवाद*	-	*क्षेमेन्द्र*
९)	*द्वंद्वात्मक भौतिकवाद*	-	*सिग्मंड फ्रायड*
१०)	*अस्तित्ववाद*	-	*मार्क्स एंगेल्स*

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी

पाठ्यक्रम कोड*:- :- MHD-07 :- *भाषाविज्ञान और हिन्दी भाषा

***सत्रीयकार्य कोड*:- MHD-07/AST-01/TMA/2017**

(सभी खण्डों के आधार पर)

अभ्यासकेन्द्र पर जमा करने की अंतिम तिथि :-**30/07/2017** **(*कुल अंक*:-100)**

विभाग-(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग १५०० शब्दों में दीजिए । **(20 x 2 = 40)**

१ *समाज भाषाविज्ञान को परिभाषित करते हुए भाषा और समाज के पारस्परिक संबंधों की व्याख्या कीजिए ।*

अथवा

भाषा -शिक्षण की दृष्टि से भाषा के विभिन्न प्रकारों को समझाइए ।

वाक्य संरचना को स्पष्ट करते हुए विभिन्न काव्यात्मक युक्तियों का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

अर्थ की प्रकृति से क्या तात्पर्य है । सोदाहरण समझाइए ।

विभाग-(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग १००० शब्दों में दीजिए । **(15 x 2 = 30)**

१ रूपिम की संकल्पना स्पष्ट करते हुए शब्द–निर्माण में उसकी भूमिका बताइए ।

अथवा

स्वर की परिभाषा प्रस्तुत करते हुए हिंदी की स्वर ध्वनियों का वर्गीकरण कीजिए ।

२ अनुवाद की प्रकृति, क्षेत्र और उपयोगिता पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

चोम्स्की के सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए भाषा और व्याकरण की संकल्पना कीजिए ।

विभाग (ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए । **(10 x 2 = 20)**

१) तुलनात्मक भाषा विज्ञान ।

२) ध्वनि परिवर्तन ।

३) वैज्ञानिक और तकनीकी शब्द ।

४) शब्द के प्रकार ।

विभाग (घ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । **(10 x 1 = 10)**

१. सम्प्रेषण के भाषिक पक्ष में ---------- का अध्ययन होता है ।

(मनोविज्ञान/भाषाविज्ञान/समाजविज्ञान)

२. भाषा की लघुतम इकाई -------- है ।

(पद/वाक्यांश/वाक्य)

३. संरचनात्मक भाषाविज्ञान के प्रवर्तक ---------- है ।

(सास्योर/ब्लूम फील्ड/हैलिडे)

४. राजकाज की भाषा -------- कही जाती है ।

(राष्ट्रभाषा/देशभाषा/राजभाषा)

५. रूपविज्ञान में विभिन्न रूपों से ------ की रचना की जाती है ।

(वाक्यों/शब्दों/पदों)

६. समान अर्थवाले शब्द --------- कहलाते हैं ।

(विलोम/पर्याय/सार्थक)

७. ड्राइवर गाड़ी धो रहा है । वाक्य में- धो रहा है, --------- है ।

(कर्तापदबंध/क्रियापदबंध/कर्मपदबंध)

८. वचन, लिंग, पुरुष भाषा की -------- कोटियाँ हैं ।

(संरचनात्मक/व्याकरणिक/अर्थपरक)

९. जिसकी क्षतिपूर्ति क्रिया से हो उसे --------- कहते हैं ।

(अपादान/अधिकरण/संप्रदान)

१०. 'मुझे उनकी चिट्ठी भी मिल गई और पैसे भी ' ------ अल्पांग वाक्य है ।

(संदर्भ आश्रित/पूरक/संयुक्त)

डो.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी

पाठ्यक्रम कोड:- :- MHD-13 :- उपन्यास : स्वरूप और विकास

सत्रीयकार्य कोड:- MHD-13 /AST-01/TMA/2017

(सभी खण्डों के आधार पर)

अभ्यासकेन्द्र पर जमा करने की अंतिम तिथि :-30/07/2017 (कुल अंक:-100)

विभाग-क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग १५०० शब्दों में दीजिए । (20 x 2 = 40)

१) 'उपन्यास' का अर्थ स्पष्ट करते हुए उपन्यास में यथार्थ की अभिव्यक्ति के विभिन्न रूपों का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

उपन्यास में पात्रों के विकास पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।

२) अन्य विधाओं से उपन्यास विधा की भाषा की भिन्नता स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

भारतीय उपन्यास की अवधारणा का विवेचन कीजिए ।

विभाग-ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग १००० शब्दों में दीजिए । (15 x 2 = 30)

१) हिन्दी उपन्यासों में राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन के प्रभाव का विवेचन कीजिए ।

अथवा

उपन्यास और यथार्थवाद के अंत:संबंधों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।

२) उन्नसवीं सदी के रूसी उपन्यास की चर्चा कीजिए ।

अथवा

स्वातंत्र्योत्तर भारतीय उपन्यास की प्रमुख प्रवृत्तियों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

विभाग ग निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए । (5 x 4 = 20)

१) हिन्दी उपन्यासों में जातीय भावना ।

२) भारतीय उपन्यासों में नारी चेतना ।

३) हिन्दी के ऐतिहासिक उपन्यास ।

४) अंग्रेजी उपन्यास परम्परा ।

५) उपन्यास में देशकाल ।

विभाग घ (अ) नीचे विभिन्न देशों के उपन्यासकारों के नाम तथा देशों के नाम दिए गए हैं । सही जोड़े बनाइए । **(5 x 1 =5)**

उपन्यासकार		***देश***
१) वाल्तेयर	-	*अमरीकी*
२) दोस्तोयेव्स्की	-	*इंग्लैंड*
३) टॉमस हार्डी	-	*रूसी*
४) तुर्गनिव	-	*फ्रांसीसी*
५) हरमन मैलविल	-	*रूसी*

(ब) नीचे विभिन्न उपन्यासों के नाम तथा उपन्यासकारों के नाम दिए गए हैं सही जोड़े बनाइए । **(5 x 1 =5)**

उपन्यास	***उपन्यासकार***
१. अन्ना कारेनिना	*रिचर्डसन*
२. *जैक्स दी फैटेलिस्ट*	*तोल्सतोय*
३. टॉम जोन्स	*हरमन मैलविल*
४. क्लैरिसा	*हैनरी फील्डिंग*
५. मोबीडिक	*दिदरो*

डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी

पाठ्यक्रम कोड*:- :- MHD-14 :- *हिन्दी उपन्यास-१
(प्रेमचंद का विशेष अध्ययन)

***सत्रीयकार्य कोड*:- MHD-14 /AST-01/TMA/2017**
(सभी खण्डों के आधार पर)

अभ्यासकेन्द्र पर जमा करने की अंतिम तिथि :- **30/07/2017** **(*कुल अंक*:-100)**

विभाग-क निम्नलिखित गद्यखडों में से किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए ।
(20 x 2 = 40)

१ *'तुम आदर के योग्य थीं, मैंने तुम्हारा निरादर किया । यह हमारी दुरवस्था का, हमारे दु:खों का मूल कारण है । ईश्वर वह दिन कब लायेगा कि हमारी जाति में स्त्रियों का आदर होगा' ।*

अथवा

'किसान कुली बनकर कभी अपने भाग्यविधाता को धन्यवाद नहीं दे सकता, उसी प्रकार जैसे कोई आदमी व्यापार का स्वतंत्र सुख भोगने के बाद नौकरी की पराधीनता को पसंद नहीं कर सकता । सम्भव है कि अपनी दीनता उसे कुली बने रहने पर मजबूर करे' ।

२ *'उन्हें अब संसार में कोई अभिलाषा नहीं है, कोई इच्छा नहीं है, धन से उन्हें नि:स्वार्थ प्रेम है, कुछ वही अनुराग, जो भक्तों को अपने उपास्य से होता है' ।*

अथवा

'अगर तुम्हारे पुरुष ने कुछ छोडा है तो अकेली रहकर तुम उसे भोग सकती हो, परिवार में रहकर तुम्हें उससे हाथ धोना पड़ेगा । परिवार तुम्हारे लिए फूलों की सेज नहीं, काटों की शय्या है, तुम्हारा पार लगानेवाली नौका नहीं, तुम्हें निगल जानेवाला जंतु' ।

विभाग-ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग १००० शब्दों में दीजिए । **(15 x 2 = 30)**

१ *प्रेमचंद के साहित्य संबंधी विचारों का विश्लेषण कीजिए ।*

अथवा

'सेवासदन' की सुमन की चारित्रिक विशिष्टताओं का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

२ *'रंगभूमि' में सूरदास के स्थान एवं महत्व का निर्धारण कीजिए ।*

अथवा

'गबन' के प्रमुख नारीपात्रों की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए ।

विभाग ग निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए । **(5 x 2 = 10)**

१) *रंगभूमि में आदर्शोन्मुख यथार्थवाद ।*

२) *'ज्ञानशंकर' की चारित्रिक विशेषताएँ ।*

३) *मध्यवर्गीय चरित्र के रूप में रमानाथ ।*

४) *प्रेमचंद के उपन्यास ।*

विभाग घ नीचे प्रेमचन्द्रजी रचित उपन्यासों तथा उनकें पात्रों के नाम के सही जोड़े बनाइए ।

(10 x 2 = 20)

पात्रों के नाम		***कृतियों के नाम***
१) *जालपा*	-	*प्रेमाश्रम ।*
२) *ज्ञानशंकर*	-	*सेवासदन ।*
३) *जॉन सेवक*	-	*गबन ।*
४) *सुमन*	-	*प्रेमाश्रम ।*
५) *रमानाथ*	-	*सेवासदन ।*
६) *सूरदास*	-	*गबन ।*
७) *रामदास*	-	*रंगभूमि ।*
८) *प्रेमशंकर*	-	*रंगभूमि ।*
९) *कमलानंद*	-	*गबन ।*

१०) दयानाथ - प्रेमाश्रम ।

डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी

पाठ्यक्रम कोड:- :- MHD-15: हिन्दी उपन्यास-२

सत्रीयकार्य कोड:- MHD15 /AST-01/TMA/2017

(सभी खण्डों के आधार पर)

अभ्यासकेन्द्र पर जमा करने की अंतिम तिथि :-30/07/2017 (कुल अंक:-100)

विभाग-क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग १५०० शब्दों में दीजिए । (20 x 2 = 40)

१ ''जेकिन्स तो कैबिनेट मिशन को यह दिखा देना चाहता है कि हिन्दुस्तानियों को शासन का अधिकार सौंपना व्यावहारिक नहीं है । अगर वह योजना सफल हो जाये, तो अंग्रेज गवर्नर की जरूरत ही नहीं रह जायेगी'' ।

अथवा

'लोक आख्यान अलते हैं कि जितनी बार इस अलबेले जोडे के प्रीति-प्यार के गीत दुनिया में गाए जाएँगे, उतनी बार हुस्न के मेहताब चमकेंगे आशिको के दिलों में । माशूकों की आँखों में । जितनी बार हीर के दरदीले सुर हवा में लहराएँगे उतनी बार हीर खयालों की, राँझा तरफ हजारों का, अपनी रूहों से इन मजलिसों में शामिल होंगे' ।

२ 'तो माणिक मुल्ला बोले, यह सच है, पर जब पूरी व्यवस्था में बेईमानी है तो एक व्यक्ति की ईमानदारी उसी में है कि वह एक व्यवस्था द्वारा लादी गयी सारी नैतिक विकृति को भी अस्वीकार करे और उसके द्वारा आरोपित सारी झूठी मर्यादाओं को भी, क्योंकि दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू होते हैं' ।

अथवा

'तुम मँझोली हैसियत के मनुष्य हो और मनुष्यता के कीचड़ में फँस गये हो । तुम्हारे चारों ओर कीचड़ -ही-कीचड़ है । कीचड़ की चापलूसी मत करो । इस मुगालते में न रहो कि कीचड़ में कमल पैदा होता है । कीचड़ में कीचड़ ही पनपता है । वही फैलता है, वही उछलता है' ।

विभाग-ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग १००० शब्दों में दीजिए । (15 x 2 = 30)

१ *महाकाव्यात्मक उपन्यास की आधारभूत विशेषताएँ बताते हुए 'झूठा-सच' की समीक्षा कीजिए ।*

अथवा

हिन्दी उपन्यास के विकासक्रम में 'जिन्दगीनामा' का महत्व प्रतिपादित कीजिए ।

२ *'सूरज का सातवाँ घोड़ा' उपन्यास के आधार पर भारती की जीवन दृष्टि पर प्रकाश डालिए ।*

अथवा

'रागदरबारी' के विशिष्ट पात्रों की विशेषताओं का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

विभाग ग निम्नलिखित में से किन्ही दो पर टिप्पणियाँ लिखिए । **(5 x 2 = 10)**

१) 'झूठा सच' में चित्रित पुनर्वास का संघर्ष और प्रक्रिया ।

२) 'जिन्दगीनामा' की अंतर्वस्तु ।

३) रागदरबारी की भाषा ।

४) लिली का चरित्र ।

विभाग घ अ) नीचे कृतियों के नाम तथा उनके लेखकों के नाम दिए गए हैं । उनके सही जोड़े बनाइए । **(5 x 2 = 10)**

उपन्यास		***लेखक***
१) गुनाहों का देवता	-	*श्रीलाल शुक्ल*
२) झूठासच	-	*धर्मवीर भारती*
३) रागदरबारी	-	*कृष्णासोबती*
४) जिन्दगीनामा	-	*धर्मवीर भारती*
५) सूरजका सातवाँ घोडा	-	*यशपाल*

ब) नीचे उपन्यासकारों के नाम तथा उनके उपन्यासों के नाम दिए गए हैं । उचित जोड़े बनाइए । **(5 x 2 = 10)**

पात्रों के नाम		***कृति का नाम***
१) जमुना	-	*झूठासच*
२) वैद्यजी	-	*सूरज का सातवाँ घोड़ा*

३) जयदेवपुरी - रागदरबारी

४) लिली - जिन्दगीनामा

५) शाहनी - सूरज का सातवाँ घोड़ा

डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी

पाठ्यक्रम कोड:- :- MHD-16 : भारतीय उपन्यास

सत्रीयकार्य कोड:- MHD16 /AST-01/TMA/2017

(सभी खण्डों के आधार पर)

अभ्यासकेन्द्र पर जमा करने की अंतिम तिथि :- 30/07/2017 (कुल अंक:-100)

विभाग-क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग १५०० शब्दों में दीजिए । (20 x 2 = 40)

१) 'चेम्मीन' के कथानक का विश्लेषण कीजिए ।

अथवा

देश और काल के आधार पर 'संस्कार' की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

२) एक उपन्यास के रूप में 'मानवीनी भवाई' की विशेषताएँ बताइए ।

अथवा

'संस्कार' के पात्रों की चर्चा कीजिए ।

विभाग-ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग १००० शब्दों में दीजिए । (15 x 2 = 30)

१ बिरसा मुन्डा का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

पन्नालाल पटेल की सृजनशीलता का परिचय दीजिए ।

२ चन्दी की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए ।

अथवा

'जंगल के दावेदार' की प्रासंगिकता का विवेचन कीजिए ।

विभाग-ग निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए । (5x4=20)

१) 'राजू का चरित्र ।

२) महाश्वेतादेवी ।

३) प्राणेशाचार्य का चरित्र ।

४) तकषि शिवशंकर पिल्लै ।

विभाग-(घ) नीचे उपन्यासकारों के नाम और उपन्यासों के नाम दिए गए हैं । उनके सही जोड़े बनाइए । **(10 x 1=10)**

(अ)

उपन्यास		***उपन्यासकार***
१) चेम्मीन	-	*महाश्वेतादेवी*
२) जंगल के दावेदार	-	*प्रेमचंद*
३) गोदान	-	*पन्नालाल पटेल*
४)संस्कार	-	*अनन्तमूर्ति*
५)मानवीनी भवाई	-	*तकषि शिवशंकर पिल्लै*

(ब) नीचे पात्रों के नाम तथा उपन्यास के नाम के सही जोड़े बनाइए ।

▪ *बिरसा*	*मानवीनी भवाई*
▪ *करूतम्मा*	*संस्कार*
▪ *प्राणेशाचार्य*	*चेम्मीन*
▪ *माली*	*चेम्मीन*
▪ *परीक्कुट्टि*	*जंगल के दावेदार*